पाठ - हुदहुद

कठिन शब्द -

- हुदहुद
- कलगी
- बादशाह
- उड़नखटोला
- मुखिया
- फ़ौरन
- परामर्श
- समेटे
- चौकन्ना
- हुबहू
- पंखी
- चटकीला
- बादामी
- तीखी
- नहरनी
- हजामिन
- दूब
- विख्यात

egyanarchive

शब्दार्थ -

1. हुदहुद - कठफोड़ा पक्षी (woodpecker)
2. कलगी - पक्षी के सिर के पंख
3. बादशाह - राजा, सम्राट
4. उड़नखटोला - उड़ने वाला यान
5. मुखिया - नेता, प्रमुख
6. फ़ौरन - तुरंत
7. दल - समूह, टीम
8. परामर्श - सलाह, विचार-विमर्श

9. वर - वरदान / दूल्हा
10.प्रार्थना - निवेदन
11.चेतावनी - सावधान करने के लिए कही जानेवाली बात
12.समेटे - इकट्ठा किये हुए
13.चौकन्ना - सतर्क
14.पर - पंख
15.हुबहू - बिल्कुल वैसा ही
16.पंखी - पंख वाला
17.चटकीला - चमकीला, चमकदार
18.बादामी - भूरे रंग का, बादाम के रंग का
19.तीखी - नुकीली
20.नहरनी - नाखून काटने का छोटा उपकरण
21.हजामिन - नाई या हजाम की पत्नी
22.दूब - घास
23.नर - पुरुष
24.विख्यात/मशहूर - प्रसिद्ध
25.पालतू - जिसे पाला जा सकता है या जिसे पकड़कर पाला गया हो
26.भेंट - मुलाकात
27.वंश - कुल, खानदान
28.शोभा - सुन्दरता

egyanarchive

तुम्हारी समझ

(क) हुदहुद को कहीं 'हजामिन' चिड़िया और कहीं 'पदुबया' के नाम से पुकारते हैं। क्यों?

उत्तर-

हुदहुद की चोंच नाखून काटनेवाली 'नहरनी' से वहुत मिलती है। इसलिए कहीं-कहीं इसे 'जामिन' चिड़िया के नाम से भी पुकारते हैं। दूब में कीड़ा ढूंढ़ने के कारण हमारे देश में कहीं-कहीं इसे ''पदुबया' भी कहते हैं।

(ख) हुदहुद की चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। इस बात को ध्यान में रखकर बताओ

- वे कैसा भोजन खाते होंगे?
- चोंच से वे क्या-क्या काम ले सकते होंगे?

उत्तर-

- वे छोटे-छोटे कीड़े-मकोड़े खाते होंगे।
- चोंच से वे जमीन के भीतर छिपे कीड़े-मकोड़े ढूंढ़ निकालते होंगे। दुश्मनों से अपना बचाव भी वे इसी चोंच से करते होंगे।

मैंने जाना

पाठ में से ऐसे शब्दों की सूची बनाओ जो पक्षियों के लिए इस्तेमाल होते हैं।

जानती थी	**पढ़कर मालूम हुआ**	**जानना चाहती हूँ।**	**कैसे/कहाँ से पता लगाऊँगी?**
चोंच आँखें अंडे घोंसला चहचहाना पंख	हुदहुद कलगी ताज हजामिन पदुबया हुप-हुप-हुप हुप ऊ	अंडे देने के अलावा मादा हुदहुदों के अन्य काम हुदहुद क्या गिद्ध की तरह लड़ाकू पक्षी है?	किताबें पढ़कर इनसाइक्लोपिडिया पढ़कर शिक्षकों से पूछकर नेट से

पाठ पढ़ने के बाद अपनी कॉपी में एक तालिका तैयार करो और उस तालिका में मालूम की गई जानकारी लिखो।

उत्तर-

शीर्षक	**जानकारी**
कहानी का शीर्षक	हुदहुद की कलगी
पात्र	सुलेमान, गिद्ध, हुदहुद
समय	गर्मी का दिन
स्थान	आकाश

egyanarchive

समस्या	धूप से परेशानी
समाधान	हुदहुदों ने छाया की
इच्छा	सोने की कलगी
परिणाम	हुदहुदों का वंश समाप्त होने लगा
नया वरदान	सुंदर परों का ताज
हुदहुद के बारे में	सुंदर पक्षी, रंग-बिरंगा शरीर, चटकीले पंख, तीखी चोंच, 'हुप-हुप-हुप' आवाज
अंडे	3 से 10
बच्चे	नर लाता है भोजन
विशेषता	देखने में सुंदर, बोली में मिठास नहीं

egyanarchive

पहचानें कैसे

(क) अगर तुम्हें हुदहुद को पहचानने में किसी की मदद करनी है तो तुम उसे कौन-सी बात बताओगे? चार-पाँच वाक्यों में लिखो।

उत्तर- हुदहुद के सिर पर कलगी होती है। इसका सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले होते हैं जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती हैं। इसकी चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। बोलते समय यह तीन बार ‘हुप-हुप-हुप’ सा कुछ कहता है।

(ख) अब कौवे या कबूतर को पहचानने के लिए चार-पाँच बिंदू लिखो। यह लिखने के लिए तुम्हें इन पक्षियों को कुछ समय तक बहुत गौर से देखना होगा।

उत्तर-

कौवे की पहचान ऐसे करेंगे-

- इसका पूरा शरीर काला होता है।
- इसकी चोंच काली लंबी और नुकीली होती है।
- यह काँव-कॉव करता है।
- इसकी आवाज में मिठास नहीं होती।

तरह-तरह के नाम

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से पक्षी पाए जाते हैं, उनके नामों की सूची बनाओ। तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के घर । | की भाषा में इन्हें क्या कहते हैं? जिन पक्षियों के नाम तुम्हें पता नहीं हैं, उनके नाम तुम्हें पता करने होंगे।

उत्तर- हमारे आसपास गौरैया, कबूतर, मैना, कौवा आदि पक्षी पाए जाते हैं।

बातचीत

तुमने हुदहुद से जुड़ी एक कहानी पढ़ी है। उस कहानी को बातचीत के रूप में लिखो। नीचे हमने इस बातचीत को तुम्हारे लिए शुरू कर दिया है।

शाह सुलेमान – अरे भाई गिद्ध! ज़रा मेरी बात तो सुनो।

गिद्ध (उड़ते-उड़ते) – कहिए, मगर ज़रा जल्दी से।

शाह सुलेमान – धूप से परेशान हो रहा हूँ मैं। तुम सब अपने पंखों से मेरे सिर पर छाया कर दो।

गिद्ध – हम तो बहुत छोटे हैं और हमारी, गर्दन पर पंख नहीं हैं। फिर हम छाया कैसे कर सकते हैं।

अरे भाई हुदहुद! क्या तुम मेरे सिर के ऊपर छाया दे सकते हो।

हुदहुदों का मुखिया – क्यों नहीं महाराज! मैं अपने दल के सभी हुदहुदों को इकट्ठा करके लाता हूँ। (सभी हुदहुद मिलकर बादशाह के सिर पर छाया करते हैं)।

शाह सुलेमान – (खुश होकर) मैं तुम्हारी कोई इच्छा पूरी करूंगा। बताओ, तुम्हारी क्या-क्या इच्छा है।

हुदहुदों का मुखिया – महाराज, मैं अपने सभी साथियों से सलाह करने के बाद अपनी इच्छा बताऊँगा।

शाह सुलेमान – ठीक है। (हुदहुदों का मुखिया साथियों से सलाह करता है)

हुदहुदों का मुखिया – महाराज! यह वरदान दीजिए कि हमारे सिर पर आज से सोने की कलगी निकल आए।

मुखिया, इसका फल क्या होगा, यह तुमने सोच लिया है?

मुखिया – हाँ, महाराज! मैंने खूब परामर्श करके यह वर माँगा है।

फिर तो ठीक है। जो तुम चाहते हो वही होगा। (जब लोग तीर से हुदहुदों को मार कर सोना इकट्ठा करने लगे तो उनका

मुखिया फिर शाह सुलेमान के पास आता है।

मुखिया – महाराज! इस सोने की कलगी के कारण तो हमारा वंश ही समाप्त हो जाएगा।

शाह सुलेमान – मैंने तो शुरू में ही तुम्हें चेतावनी दी थी। खैर, जाओ, आज से तुम्हारे सिर का ताज सोने का नहीं, सुंदर परों का हुआ करेगा।

मुखिया – बहुत अच्छा महाराज! रंगा-रंग

(क) हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है।

हुदहुद का रंग चटकीला बताया गया है। रंग कैसे हैं-यह बताने के लिए कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे, फीके रंग, चटकीले रंग आदि।

बताओ कि ऐसे रंग किन-किन चीज़ों के होते हैं।

उत्तर :

रंग का नाम	इस रंग की चीज़ों के नाम
गहरा काला	छतरी, कोट, बाल
फीका हरा	बोतल
भड़कीला लाल	चुंदरी, पोशाक,
सुनहरा पीला	अंगूठी, कंगन

(क) यूनी ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है।

'आसमानी' रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचो-

ऐसे ही कुछ और रंगों के नाम लिखो जो किसी चीज़ के नाम पर पड़े हैं। (संकेत-फल, सब्ज़ी, पत्तों आदि के नामों पर)

- नारंगी — नारंगी (संतरा) के नाम पर
- बैंगनी — बैंगन के नाम पर
- गुलाबी — गुलाब के नाम पर
- जामुनी — जामुन के नाम पर
- प्याजी — प्याज के नाम पर

शब्द एक-अर्थ अनेक

शाह की भेंट हुदहुदों के मुखिया से हुई।

मुझे मेरी बहन ने एक बहुत सुंदर भेट दी।

ऊपर वाले वाक्य में भेंट का मतलब मुलाकात से है, नीचे वाले वाक्य में उपहार से। तुम भी कोई ऐसे चार शब्द सोचो जिनके दो मतलब निकलते हों। उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर :

(क) पत्र – कल मैंने अपने मित्र को एक पत्र (चिट्ठी) लिखा।
पूजा-पाठ में आम्र-पत्र (पत्ता) का इस्तेमाल होता है।

(ख) पर – पत्तियों के पर (पंख) होते हैं।
वह आया पर (किन्तु) बोला कुछ नहीं।

(ग) जल – मुझे एक गिलास जल चाहिए।
देखो कहीं हाथ न जल जाए।

(घ) फल – सेब एक बहुत पौष्टिक फल है।
बुरे काम का फल बुरा ही होता है।

नाम

हुदहुद एक बहुत ही सुंदर पक्षी है।।
हुदबुद और पक्षी, दोनों को ही हम संज्ञा कहते हैं।
अब नीचे दी गई तालिका को आगे बढ़ाओ।

उत्तर :

हुदहुद	पक्षी
भारत	देश
अनार	फल
गंगा	नदी
हिमालय	पहाड़
दैनिक जागरण	अखबार
महाभारत	किताब
रविवार	दिन

egyanarchive